मेट्रो 3 का काम फास्ट ट्रैक पर

भूमिगत स्टेशनों पर पटरी बिछाने का कार्य तेज, टनलिंग हुई पूरी

■ सूर्यप्रकाश मिश्र @नवभारत

मुंबई. मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो का काम अब ट्रैक पर चल रहा है. मेट्रो 3 परियोजना के लिए आरे में ही कारशेड बनाए जाने के लिए लगी रोक को शिंदे सरकार ने हटा दिया है. इस बीच कुलाबा-बांद्रा से सीप्ज तक बन रही भूमिगत मेट्रो की टनलिंग का काम लगभग पूरा हो गया है. मेट्रो का निर्माण कर रही एमएमआरसीएल की एमडी अश्विनी भिड़े के अनुसार मेट्रो 3 के काम को गति मिल रही है. ट्रैक के साथ ओवरहेड का काम भी एडवांस स्टेज में है. रोड पर आवागमन में परेशानी न हो इसे ध्यान में रख कर भूमिगत ट्रैक का काम किया जा रहा है.

लो वाइब्रेंट टेक्नोलॉजी का उपयोग: उल्लेखनीय है कि मेट्रो 3 के अंडरग्राउंड स्टेशनों पर ट्रैक बिछाने का काम शुरू है. इसके लिए लो वाइब्रेंट टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है, ताकि मेट्रो चलते समय भूमिगत स्टेशनों और ऊपर रोड पर भी पर भी कंपन न हो. इसके लिए आम रेल ट्रैक की बजाय अलग लेयर वाली पटरी बिछाई जा रही है. एमएमआरसीएल के अनुसार सीप्ज, सिद्धिविनायक और एमआईडीसी स्टेशनों पर शत-प्रतिशत ट्रैक बिछाने का काम हो चुका है. मुंबई सेन्ट्रल, विधान भवन स्टेशनों का काम भी अंतिम चरण में है. कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज तक लगभग 33.50 किमी लंबी अंडर ग्राउंड मेट्रो के पूरे रूट हुतात्मा पर लगभग 32 प्रतिशत ट्रैक बिछाने का काम पूरा हो चुका है. हुतात्मा चौक-सीएसएमटी स्टेशन का काफी काम हो चुका है. टनलिंग का काम पूरा होने के बाद स्टेशन, प्लेटफार्म और कॉनकोर्स लेवल अथार्थ टिकट घर के साथ स्टेशन के छत का काम भी तेजी से शुरू है.

32% ट्रैक का काम हुआ पूरा

03 रेक भी मेट्रो के हैं तैयार

अंडर ग्राउंड मेट्रो को दो चरणों में शुरू किए जाने की योजना

2024 में बीकेसी से कफ परेड तक खोले जाने का उद्देश्य

अगले वर्ष तक ट्रायल का लक्ष्य

1. वैसे मेट्रो 3 परियोजना में काफी देरी हो गई है. मुंबई की पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो को दो चरणों में शुरू किए जाने की योजना है. मेट्रो के 3 रेक भी तैयार हैं.
2. पहले चरण का ट्रायल अगले वर्ष तक शुरू करने का लक्ष्य है, जबकि बीकेसी से कफ परेड तक वर्ष 2024 में खोले जाने का उद्देश्य है.

अश्विनी भिड़े एक्शन मोड में

राज्य सरकार ने मेट्रो 3 का निर्माण कर रही एमएमआरसीएल के एमडी पद का अतिरिक्त कार्यभार अश्विनी भिड़े को दे दिया है. वरिष्ठ आईएएस भिड़े मेट्रो 3 के काम को लेकर एक्शन मोड पर आ गई हैं. गौरतलब है कि मेट्रो 3 के लिए आरे में कारशेड बनाए जाने की जिम्मेदारी देवेंद्र सरकार के समय में अश्विनी भिड़े को ही दी गई थी. सरकार बदलने के साथ एक बार फिर एमएमआरसीएल की जिम्मेदारी अश्विनी भिड़े को दे दी गई है.

एक नजर मेट्रो-3 पर

- कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज तक लगभग 33 .50 किमी लंबी मुंबई की यह पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो.
- मेट्रो मार्ग पर कुल 27 स्टेशन हैं, इनमें 26 स्टेशन अंडर ग्राउंड और 1 स्टेशन जमीन के ऊपर.
- इस मेट्रो परियोजना की लागत लगभग 33 हजार करोड़ है.
- यह मेट्रो लाइन वेस्टर्न को सेंट्रल लाइन से सीधे जोड़ेगी.